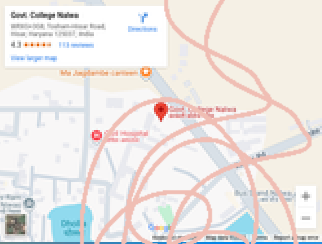

सत्र

2024-25

महिला प्रकोष्ठ

राजकीय महाविद्यालय,नलवा

डॉ.वन्दना शर्मा
संपादिका

डॉकमलेश दूहन
प्राचार्या

डॉ.कमलेश दूहन
प्राचार्या
राजकीय महाविद्यालय नलवा

महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं और खुद ही अपना मुकाम तय कर रही हैं।इक्कीसवीं सदी नारी के जीवन में सुखद संभावनाएँ लेकर आई है। नारी अपनी शक्ति को पहचानने लगी है वह अपने अधिकारों के प्रति जागरुक हुई है।वर्तमान स्थिति में नारी ने जो साहस का परिचय दिया है, वह आश्चयर्यजनक है।आज की नारी जागृत एवं सक्रिय हो चुकी है | वह अपनी शक्तियों को पहचानने लगी है जिससे आधुनिक नारी का वर्चस्व बढ़ा है | व्यापार और व्यवसाय जैसे पुरुष एकाधिकार के क्षेत्र में जिस प्रकार उसने कदम रखा है और जिस सूझ – बूझ एवं कुशलता का परिचय दिया है, वह अद्भुत है | तकनीकी एवं इंजीनियरिंग जैसे पेचीदा विषयों में उसका दखल देखते ही बनता है | वर्तमान स्थिति में नारी ने जो साहस का परिचय दिया है, वह आश्चयर्यजनक है | आज नारी की भागीदारी के बिना कोई भी काम पूर्ण नहीं माना जा रहा है | समाज के हर क्षेत्र में उसका परोक्ष – अपरोक्ष रूप से प्रवेश हो चुका है। हालांकि, अब भी महिलाओं को पूरी तरह से समानता प्राप्त करने में मीलों का सफर तय करना है।

मैं इस ई-पत्रिका ' पंख' के पंचम संस्करण के कुशल प्रकाशन हेतु समस्त महिला प्रकोष्ठ के सदस्यों व संपादिका को हार्दिक बधाई देती हूँ।

राजकीय महाविद्यालय नलवा -हिसार
एम.ए.हिंदी : सीटें -40
सत्र 2024-25
हिंदी विषय में एम.ए करने के लिए सुनहरा अवसर
हिंदी विभाग स्टाफ सूची:
डॉ.कमलेश दूहन -प्राचार्या
डॉ.सुनीता देवी (विभागाध्यक्ष)
डॉ.पूजा गर्ग
डॉ.वंदना शर्मा
डॉ.वीरेंद्र सिंह
उच्च योग्यता प्राप्त
स्मार्ट क्लास
महिला
सांस्कृतिक
प्लेसमेंट
स्टूडेंट वेलफेयर
शैक्षणिक भ्रमण
बस पास
कमाओऔर सीखों
एस.सी. बी.सी& जिंदल
वाई फाई
मेडिकल
GOVERNMENT COLLEGE NALWA

Dr.Kavita Kharinta
संयोजिका-महिला प्रकोष्ठ
सहायक प्रोफेसर-राजनीति विज्ञान.

किसी भी देश की प्रमुख संपदा महिला शक्ति होती है। सिर्फ वही एक राष्ट्र को मजबूत निर्माण दे सकती है । जब तक नारी सशक्त नहीं है तब तक उसकी कोख से जन्म लेने वाले संतान लड़का हो या लड़की कैसे सशक्त हो सकती हैं ।इसलिए आवश्यक है की महिला को इस स्तर तक अवश्य सशक्त किया जाए कि किसी भी राष्ट्र की शक्ति को नया आयाम दिया जा सके। महिला प्रकोष्ठ, नलवा इसी भावना के साथ महिलाओं को उनकी ऐसी शक्ति की पहचान करवाते हुए नई पंख की उड़ान के साथ राष्ट्र निर्माण में एक मजबूत स्तंभ के दृढ़ संकल्प के साथ आप सबको शुभकामनाएं व बधाई देती है ।

महिला सशक्तीकरण को बेहद आसान शब्दों में परिभाषित किया जा सकता है कि इससे महिलाएं शक्तिशाली बनती है जिससे वह अपने जीवन से जुड़े [redacted] समाज में अच्छे से रह सकती है। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तीकरण है।

महाविद्यालय परिवार की ओर से आप सभी को हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं✍️

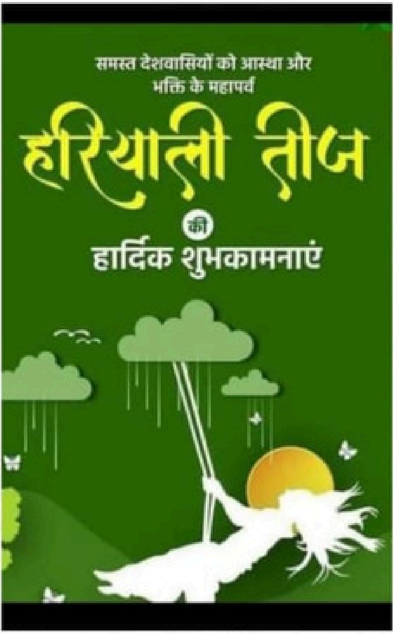

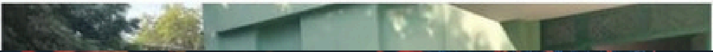

बेटियाँ अनमोल होती है, और जो किस्मत वाले होते है, ईश्वर उन्ही को बेटी रूपी धन देते है। बेटियाँ तीन कुलों को सवांरती है। ये बेटियाँ ही भविष्य की नारियाँ है जो धरती पर जीवन का निर्माण करती है। इतना कुछ होने के बावजूद भी हमारे समाज में इतनी कुरुतिया विद्यमान है कि लोग बेटी होने में खुशी नही मनाते है, उस नन्ही कली को खिलने ही नही देते है। जन्म से पहले ही उसका अस्तित्व खत्म कर देते है। अगर ऐसा इसी तरह होता रहा तो एक दिन इस धरती पर मनुष्य का अस्तित्व खत्म हो जाएगा।

आइए हम इस मानसिकता को बदले और समाज में परिवर्तन लाए जिससे धरती पर हमारा अस्तित्व बना रहे। बेटियों के प्रति अपनी मानसिकताओं को बदले जिससे यह नन्ही कलियाँ फूल बनकर खिल सके और आपके प्रेम के आंगन को अपनी कामयाबी से महका सके। इसी मानसिकता को बदलने के लिए आज हम आपके समक्ष,

Sheetal
B.A 3rd Year
Roll No. 2949020008

महाविद्यालय परिवार की ओर से हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं✍️

"जगत जननी: नारी"

उतारो मुझे जिस क्षेत्र में
सर्वश्रेष्ठ कर दिखाउंगी,
औरों से अलग हूं दिखने में
कुछ अलग कर के ही जाउंगी।
चाह नहीं है एक अलग नाम की
इसी को महान बनाउंगी,
नारी हूं मैं इस युग की
नारी की अलग पहचानबनाउंगी।
जो सदियों से देखा तुमने
लिपटी साड़ी में कोमल तन को,
घर-घर में रहती थी वो
पर जान न सके थे उसके मन को।
झुकी हुई सी नज़रें थी
वाणी मध्यम मधुर सी थी,

पर्यावरण कमेटी द्वारा आज दिनांक 10 अगस्त 2024 को महाविद्यालय में भारत सरकार प्रायोजित कार्यक्रम "एक पेड़ मां के नाम" के तहत पौधों के लिए गड्ढे तैयार करने का कार्य किया गया | जिसमें महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं द्वारा 100 से ज्यादा गड्ढे तैयार किए गए |

इसके साथ ही आज बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा शिखा ने अपने जन्म दिवस के शुभ अवसर पर महाविद्याल... See more

जो सदियों से देखा तुमने

लिपटी साड़ी में कोमल तन को,

घर-घर में रहती थी वो

पर जान न सके थे उसके मन को।

झुकी हुई सी नज़रें थी

वाणी मध्यम मधुर सी थी,

Reenu
B.A 3rd Year
Roll No. 2949020024

WELCOME

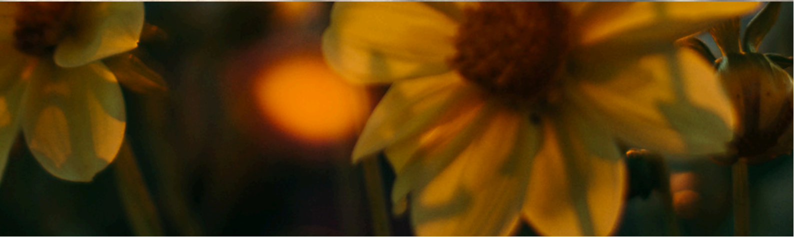

नमस्कार दोस्तों आज मैं आप लोगों के सामने एक ऐसा विषय लेकर उपस्थित हूँ...

जिसने कईयों को राजा बनाया, और कईयों को फकीर।

जिसने इसकी ताकत को पहचान लिया वो विजेता हो गया और जिसने नजरअंदाज किया वो गुलाम बन कर रह गया।

जी हाँ साथियों आज हम बात करने वाले है मन और उसकी आवाज पर – “मन की आवाज”

हमारे मन एवं आत्मा के बीच दो प्रकार का संबंध होता है –

- ऐसे में मन से निकली आवाज निश्चित तौर पर मनुष्य को अवनति के मार्ग पर ले जाती है।
- ऐसी स्थिति में निकली मन की आवाज का अनुसरण करने से मानव में तेज, ओज, शक्ति एवं ऊर्जा का संचार होता है।

ऐसे व्यक्तियों की संकल्प शक्ति इतनी मजबूत होती है कि हजारों बार असफल होने के बाद भी उनका मन नहीं हारता, वो निरंतर प्रयास करते रहते हैं और एक न एक दिन जीत का सेहरा उनके माथे पर सजता है।

अनपढ़ माँ पर कविता

जब मैं गर्भ में आयी, वो बड़े प्यार से, वो बड़े प्यार से
दिन और महिने गिन रही थी,

सारी खुशियाँ दूंगी मैं, अपने लल्ली को, मेरी माँ ऐसे
सपने बुन रही थी।

पाव उनका भारी था, फिर भी वो, जमीन पर नहीं
टिक रही थी,

जान भी नही आयी थी मुझमें अभी,

जान भी नही आयी थी मुझमें अभी, और वो, मेरे
लिए खिलौने चुन रही थी।।

ज्योति
बी.कॉम.प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक-1210441003004

नलवा - पौधरोपण
कार्यक्रम

द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी जी भी कहते है कि-

“मन के हारे हार सदा रे, मन के जीते जीत,
मत निराश हो यों, तू उठ, ओ मेरे मन के मीत”

मन की आवाज को दृढ़ संकल्प में ढ़ाल कर उस पर अमल करने वाले इंसान के लिए कुछ भी असंभव नहीं है,

Anjali
Roll no.2949020015
B.A.3rd Year

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

'बेटी का जीवन'

बेटी को पढ़ाओ इसका जीवन सवारो,

घर बैठा कर ना इसका जीवन बिगाड़ो।

क्योंकि बिना शिक्षा है जीवन बेकार,

शिक्षा प्राप्त करना है हर बेटी का अधिकार।

RITU
ROLL NO.2949020050
B.A.3RD YEAR

पृथ्वी पर जीवन बचाने के लिए पेड़ रोपित करना समय की आवश्यकता : प्राचार्य डॉ. कमलेश दुहन

राजकीय महाविद्यालय नलवा में "एक पेड़ मां के नाम" कैंपेन के तहत पौधारोपण किया गया ।कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्या डॉ कमलेश दुहन ने महाविद्यालय प्रांगण में जामुन का पौधा लगाकर की | पौधारोपण अभियान के तहत महाविद्यालय में... See more

'तरक्की का विकल्प'

बेटियो को पढ़ा-लिखाकर शिक्षा व्याप्त करेंगे,
समाज में फैली हर बुराई को समाप्त करेंगे।

देश की तरक्की को मिलेगा नया आयाम,
जब बेटियां पढ़-लिखकर रोशन करेंगी देश का नाम।

इसीलिए इनकी शिक्षा में कोई बाधा ना डालो,
इनके शिक्षा को लेकर कोई गलतफहमी ना पालो।

बेटी कल्पना चावला बनकर अंतरिक्ष माप चुकी है,
अपने इरादो से हर बुलंदी को प्राप्त कर चुकी है।

SARITA
ROLL NO.2949020029
B.A3RD YEAR

वो है मेरी माँ
मेरे सर्वस्व की पहचान
अपने आँचल की दे छाँव
ममता की वो लोरी गाती
मेरे सपनों को सहलाती
गाती रहती, मुस्कराती जो
वो है मेरी माँ।

Poonam
Roll No.2949020014
B.A.3rd Year

राजकीय महाविद्यालय
नलवा

हम एक शब्द हैं तो वह पूरी भाषा है
हम कुंठित हैं तो वह एक अभिलाषा है
बस यही माँ की परिभाषा है.
हम समुंदर का है तेज तो वह झरनों का निर्मल स्वर है
हम एक शूल है तो वह सहस्त्र ढाल प्रखर
हम दुनिया के हैं अंग, वह उसकी अनुक्रमणिका है
हम पत्थर की हैं संग वह कंचन की कृनीका है

Gopal
B.A.3rd Year
Roll No.2949010100

बहुत याद आती है माँ,
मैं हूं कौन बताया था माँ ने.
मुझे पहला कलमा पढ़ाया था माँ ने.
वो यह चाहती थी कि मै सिख जाऊ.
वो हाथो से खिलाती थी मुझ को,
कभी लोरिया भी सुनाती थी मुझ को.
वह नन्हे से पैर चलाती थी मुझको,
कभी दूर जाकर बुलाती थी मुझको.
मेरा लड़खड़ाकर पहलू में गिरना,
उठाकर गले से लगाती थी मुझको.
कि चलना सिखाती है माँ,
बहुत याद आती है माँ.

Bhishan
Roll No.2949010122
B.A.3rd Year

RUSA

माँ नाम है बहुत ही छोटा
लेकिन वह ही है धरती से भी बड़ी,
चलना हमे सीखते है माँ
मंज़िल हमे दिखाति है माँ
सबसे मीठा बोल है माँ
दुनिया में अनमोल है माँ
माँ ही हमे डांटती है
माँ ही हमे प्यार करती है
माँ ही है हमारे सब कुछ
माँ से आगे कोई नहीं है ।

Ravi
Roll No.2949010091
B.A.3rd Year

महाविद्यालय की प्राचार्य महोदया डॉ. कमलेश दूहन के दिशा निर्देशन में महाविद्यालय कैम्पस में कॉमर्स विभाग की असिस्टेंट प्रो. मीना पानू की संयोजिकता में पीएचसी स्टाफ मेंबर किशन कौर के सहयोग से एल्बेंडाजोल की दवाई का वितरण किया गया। आज डी- वार्मिंग डे पर दिनांक 24/ 9/ 2024 को Mop-up Day के रूप में मनाया गया जिसमें बचे हुए विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल दवाई वितरित की गयी

सैनिटेशन कमेटी के संयोजन से कृमि- मुक्ति दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों में दवाई वितरित की गई एवं दवाई वितरण में श्री आनंद जी का विशेष योगदान रहा।हैल्थ एवं डी वोर्मिंग विषय पर विस्तार व्याख्यान करवाया गया। प्राचार्य डॉ.कमलेश दूहन ने टीम का स्वागत करते हुए छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।विस्तार व्... See more

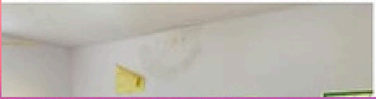

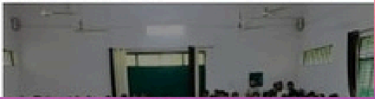

राजकीय महाविद्यालय
नलवा
NALWA (HISAR)
(HISAR)

निदेशन में पोषण माह अभियान के तहत हेल्थ एंड सेनिटेशन कमेटी के प्रभारी असिस्टेंट प्रो. मीना पानू के द्वारा एक विस्तार व्याख्यान दिया गया जिसमें विद्यार्थियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई एवं रेड क्रॉस के बारे में भी बताया गया जो किसी भी प्रकार के आपदा आने पर समाज सेवा में आगे रहती है। कॉलेज में बनाई जाने वाली ... See more

You, Utsav Jaat Utsav Jaat + 12

1 comment

निदेशन में पोषण माह अभियान के तहत हेल्थ एंड सैनिटेशन कमेटी के प्रभारी असिस्टेंट प्रो. मीना पानू के द्वारा एक विस्तार व्याख्यान दिया गया जिसमें विद्यार्थियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई एवं रेड क्रॉस के बारे में भी बताया गया जो किसी भी प्रकार के आपदा आने पर समाज सेवा में आगे रहती है। कॉलेज में बनाई जाने वाली ... See more

नलवा - पौधरोपण
कार्यक्रम

हिंदी

हमारी **हिंदी**

राष्ट्र भाषा है **हिंदी**

हिन्द देश की आन है **हिंदी**

संस्कृत की लाडली बेटी है **हिंदी**

हिंदुस्तान की तो मातृभाषा है **हिंदी**

हमारा मान,सम्मान,अभिमान है **हिंदी**

हिंदुस्तान के माथे की तो बिंदी है यह **हिंदी**

सुंदर, मीठी, सरल और सहज भाषा है **हिंदी**

हम सबकी एकता की अनुपम परंपरा है **हिंदी**

सब जन को एकसूत्र में पिरोने वाली डोर है **हिंदी**

काल को जीत लिया वो कालजयी भाषा है **हिंदी**

स्वतंत्रता की अलख जगाने वाली भाषा है **हिंदी**

जिसके बिना हिंद थम जाए वो भाषा है **हिंदी**

गुलामी की जंजीर तोड़ने वाली थी **हिंदी**

हिंदुस्तान की तो जीवन रेखा है **हिंदी**

राजकीय महाविद्यालय नलवा में M. A.हिंदी में ऑनलाइन पंजीकरण का वीरवार को अंतिम दिन..30 जुलाई को पहली मेरिट सूची जारी की जाएगी। 2 अगस्त तक फीस जमा करवाने का दिया जाएगा समय